आपने अपना बनाया मेहरबानी आपकी,
हम तो इस काबिल ही ना थे,
ये कदर दानी आपकी,
आपने अपना बनाया मेहरबानी आपकी।।

तर्ज दिल के अरमाँ आंसुओ में

में तो तुम से हर तरह,
होकर अलग भागा रहा,
इस जहा के दौर में,
अटका रहा भटका रहा,
लगा लिया मुझको गले से,
ये रवानी आपकी,
आपने अपना-बनाया मेहरबानी आपकी।।

कहाँ है तू और कहाँ हु में,
ये मिलना भी क्या हो सकता था,
क्र क्र गुनाह इस तमाश गाहे आलम में,
में भटका रहा,
बे सबब हो गई ये रेहमतानी आपकी,
आपने अपना-बनाया मेहरबानी आपकी।।

अब तो प्यारे आपके कदमो में
सर को मेने रख दिया,

हम इनायत हम नवाजिश,
इस करम का शुक्रिया,
तुम हमारे हम तुम्हारे,
ये जिंदगानी आपकी,
आपने अपना-बनाया मेहरबानी आपकी।।

बरसो से उजड़ा पड़ा था,
मेरे दिल का ये चमन,
उजड़ी बगिया खिल उठी,
जब हो गया तेरा आगमन,
आप ने जो गुल खिलाया,
मेहरबानी आपकी,
आपने अपना-बनाया मेहरबानी आपकी।।

Source: https://www.bharattemples.com/aapne-apna-banaya-bhajan/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw